सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 77 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 21 अप्रैल, 2025
मूल्य ₹ 3/-

सबसे मुश्किल काम है सोचना, शायद यही कारण है कि इसमें इतने कम लोग लगे होते हैं।

-हेनरी फोर्ड

कोलकाता के बल्लेबाजों से अच्छे... 7 | पीडीपी प्रमुख ने अपनाया आक्रामक... 3 | तबादले व तैनाती में पक्षपात कर... 2

जाएगी बड़बोले निशिकांत की सांसदी!

कांग्रेस ने की मांग, कोर्ट के अवमानना का लगा आरोप

» राजनीतिक गलियारों में मामले ने तूल पकड़ा
» बीजेपी ने किया किनारा
» बीजेपी सांसद निशिकांत ने सुप्रीम कोर्ट के जज पर की थी दंगा फैलाने वाली टिप्पणी
» भाजपा अब न्यायपालिका को भी अपनी कठपुतली बनाना चाहती है!

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी कर फंस गये हैं। राजनीतिक गलियारों में मामला तूल पकड़ रहा है और बीजेपी ने उनसे किनारा कर लिया है। वक्फ संशोधन बिल इस समय पूरी दुनिया में संवेदनशी मुददा बन गया है और बिल पर सुनवाई अपने अंतिम दौर में हैं।

बता दे दुबे ने कहा था कि कोर्ट ही फैसला करेगा तो संसद को बंद कर देना चाहिए। उसी क्रम में उन्होंने कोर्ट पर गृहयुद्ध करवाने का भी आरोप लगा दिया था। पीएम मोदी की सउदी अरब की यात्रा भी इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है। ऐसे में एक सांसद का सुप्रीम कोर्ट के जज पर इस तरह का अरोप के मायने तलाशे जा रहे हैं। कांग्रेस ने उनकी सांसदी निरस्त करने की मांग की है।

क्या जा सकती है सांसदी

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 102(1) के अनुसार किसी भी सांसद की सदस्यता निरस्त होने के लिए उसका किसी लाभ के पद पर कार्य करना, किसी अपराध में दोषसिद्धि होकर दो या अधिक वर्षों की सजा मिलना और अन्य कानूनी प्रावधानों के तहत अयोग्य होना शामिल है। यदि निशिकांत दुबे की टिप्पणी को अदालत की अवमानना माना जाता है और इसके लिए उन्हें दोषी ठहराया जाता है, तो यह उनकी अयोग्यता का आधार बन सकता है। अवमानना अधिनियम 1971 के तहत, यदि कोई व्यक्ति न्यायालय की गरिमा को ठेस पहुँचाता है या उसके आदेशों की अवहेलना करता है, तो उसे अवमानना का दोषी ठहराया जा सकता है। यदि दुबे की टिप्पणी को न्यायालय की अवमानना माना जाता है, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई संभव है।

निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की तैयारी, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हमारी मंजूरी जरूरी नहीं

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा न्यायापालिका पर की गई टिप्पणी पर विवाद हो गया है और अब उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की तैयारी हो रही है। सोमवार को जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ के सामने एक याचिका आई, जिसमें भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की हालिया टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मांगी गई। इस पर पीठ ने कहा कि आप इसे दायर करें, याचिका दायर करने के लिए आपको हमारी मंजूरी की जरूरत नहीं है।

न्यायपालिका नहीं रही सुरक्षित तो क्या होगा?

कांग्रेस नेता ने राष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष से अपील की कि निशिकांत दुबे को संसद सदस्य पद से तत्काल बर्खास्त किया जाए और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। अंसारी ने कहा कि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका- इन तीनों संवैधानिक स्तंभों में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। अगर न्यायपालिका ही सुरक्षित नहीं रही, तो लोकतंत्र का कोई अर्थ नहीं बचेगा।

मनुस्मृति लागू करना चाहती है बीजेपी

झारखंड मुक्ति मोर्चा की केंद्रीय कमेटी के प्रमुख नेता विनोद पांडेय ने कहा है कि गोड्डा के निशिकांत दुबे ने भाजपा नेतृत्व के इशारे पर न्यायपालिका पर प्रहार किया है। उन्होंने कहा, असल बात यह है कि भाजपा देश में मनुस्मृति लागू करना चाहती है। उन्हें देश के संवैधानिक ढांचे पर विश्वास ही नहीं है। चुनाव आयोग, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर कब्जा किया जा चुका है। अब सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों पर भी इन्हें आपत्ति है। आखिरकार भाजपा इस देश को कहां ले जाना चाहती है।

झारखंड से बवाल शुरू

निशिकांत दुबे बीजेपी के टिकट पर झारखंड की गोड्डा लोकसभा से निर्वाचित हुए हैं। उनके बयान की सियासी विगारी में सबसे पहले झारखंड ही झुलसा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा और कांग्रेस के नेताओं ने दुबे के बयान को संविधान और लोकतंत्र विरोधी करार देते हुए उनकी सांसद पद समाप्त करने की मांग की है। झारखंड में कांग्रेस कोटे के मंत्री इरफान अंसारी ने कहा है कि निशिकांत दुबे का बयान न केवल सुप्रीम कोर्ट की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, बल्कि यह देश की लोकतांत्रिक बुनियाद को भी कमजोर करता है। भाजपा अब न्यायपालिका को भी अपनी कठपुतली बनाना चाहती है। यह बेहद खतरनाक संकेत है।

विदेश में राहुल के बयान के बाद देश में घमासान

» बोस्टन में महाराष्ट्र चुनाव पर उठाए सवाल, भाजपा ने किया बवाल
» नेता प्रतिपक्ष बोले- सिस्टम में कुछ गड़बड़ है

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

न्यूयार्क। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका के दौरे पर हैं। बोस्टन में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र चुनाव का मुद्दा उठाया और भारतीय चुनाव प्रक्रिया पर संदेह जताते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है। उन्होंने दावा किया कि व्यवस्था में कुछ बहुत गड़बड़ है। उनके बयान के बाद देश में सियासी घमासान मचा है।

महाराष्ट्र चुनाव पर बोलते हुए गांधी ने कहा कि दो घंटे में मतदाता सूची में 65 लाख मतदाताओं का नाम जुड़ गया, जो असंभव था। उन्होंने कहा कि हमारे लिए यह बहुत स्पष्ट है कि चुनाव आयोग ने समझौता कर लिया है, व्यवस्था में कुछ बहुत गड़बड़ है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि महाराष्ट्र में कुल लोगों की संख्या से अधिक लोगों ने मतदान किया और यह एक तथ्य है... चुनाव आयोग ने हमें शाम करीब साढ़े पांच बजे एक आंकड़ा दिया और दो घंटे यानी साढ़े सात बजे के आसपास 65 लाख मतदाताओं ने मतदान किया, जो शारीरिक रूप से असंभव है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 24 के तहत बहुत कम प्रथम या द्वितीय अपील दायर की गई थी।

लोस व झारखंड चुनाव में क्या कांग्रेस का इलेक्शन कमीशन से समझौता था : पात्रा

भाजपा प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी जी का यही निराशा है कि आज वो विदेशी भूमि पर जाकर भारत और भारत के महान लोकतंत्र को अपमानित कर रहे हैं और बदनाम कर रहे हैं। राहुल जी अमेरिका में जाकर इलेक्शन कमीशन को छेड़छाड़ की गई बताते हैं। वो कहते हैं कि महाराष्ट्र के चुनाव में जो मतदान हुआ, वो एक प्रकार से फर्जीवाड़ा था। महाराष्ट्र में भाजपा और उनके सहयोगियों को नहीं जितना था। लेकिन मै पूछना चाहता हूं कि उसी समय झारखंड में भी चुनाव था, क्या आपने और हेमंत सोरेन ने इलेक्शन कमीशन से समझौता किया था? पात्रा ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा पार्टी ने 240 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस को केवल 99 सीटें मिलीं। फिर भी, उन्होंने जश्न मनाया और दावा किया कि यह भाजपा की हार है। तो क्या चुनाव आयोग ने कांग्रेस से समझौता किया?

राहुल हमेशा विदेशी धरती पर भारत को बदनाम क्यों करते हैं : प्रदीप भंडारी

देश की चुनावी प्रक्रिया पर राहुल गांधी की आलोचनाओं का जवाब देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता प्रदीप भंडारी ने कहा कि लोकतंत्र विरोधी, भारत विरोधी राहुल गांधी जो भारतीय मतदाताओं का विश्वास नहीं जीत सके, वे विदेशी धरती पर भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने लगे हैं। राहुल हमेशा विदेशी धरती पर भारत को बदनाम क्यों करते हैं? जॉर्ज सोरोस का एजेंट जो भारतीय राज्य से लड़ रहा है - यही आज राहुल गांधी का इरादा है!

तबादले व तैनाती में पक्षपात कर रही योगी सरकार : अखिलेश

बोले- खास वर्ग के लोगों की भरमार, पीडीए दरकिनार

- बंगाल में हुई हिंसा के पीछे भाजपा के लोग
- गंगा में डुबकी लगाने से नंदी के पाप नहीं धुलेंगे
- रामजीलाल सुमन के जरिये दलितों में पैठ बढ़ाएगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पर एकबार फिर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा की यूपी भाजपा सरकार अधिकारियों के तबादले और तैनाती में पक्षपात कर रही है। सपा प्रमुख ने कहा, आगरा में, पुलिस थानों में कुल 48 एसएचओ (थानेदार) तैनात हैं जिनमें पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) 15 हैं बाकी सब सिंह भाई लोग (ठाकुर समुदाय के लोग) हैं।

वहीं, मैनपुरी में कुल 15 थानाध्यक्षों में पीडीए तीन और सिंह भाई लोग 10 हैं। इसी तरह, चित्रकूट में कुल 10 थानेदारों में पीडीए के दो और सिंह भाई लोग पांच हैं। महोबा में 11 (थानाध्यक्षों) में, पीडीए के तीन और सिंह भाई लोग छह हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार पर बांटों और राज करो की नीति का अनुसरण करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी कभी धर्म के नाम पर तो कभी जाति के नाम पर बांटने का काम करती रही है। पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा को लेकर उन्होंने दावा किया, दंगा कराने के पीछे किसी का हाथ होता है तो वह भाजपा के लोगों का ही होता है। उन्होंने कन्नौज की एक घटना का एक उदाहरण देते हुए कहा, भाजपाइयों ने एक गरीब व्यक्ति को पकड़ा और उसे पैसों का लालच देकर जानवर का मांस एक मंदिर में फेंकने को कहा। वह व्यक्ति घबरा गया और उसने कहा कि यह काम नहीं कर सकता। फिर भाजपा के नेता उसके साथ गए और उससे मांस फिंकवाया, जिसके बाद वहां एक बड़ा दंगा हुआ।

2027 के उप्र चुनावों में भी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है। यादव ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे 'इंडिया' गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, 'इंडिया' गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा।उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया।

रामजीलाल के नाम में ही राम

रामजीलाल सुमन के आवास पर सपा मुखिया अखिलेश यादव नेबीजेपी पर तंज किया। कहा कि रामजीलाल के नाम में राम है तो क्या उन्हें राम कहना छोड़ दें। बीजेपी वालों को तो कोई छू दे तो गंगाजल से धोते हैं।

कान खोलकर सुनो संदेश को, मत छूना मेरे अखिलेश को गाना हो रहा वायरल

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार को अपने राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के लिए ढाल बनकर आगरा आए। उनके आते ही प्रशंसकों और कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया को हैंग कर डाला। पल-पल की वीडियो संदेशों के साथ पोस्ट की गईं। कई तरह के नारे और गाने भी ट्रेंड में रहे। एक गाना बहुत वायरल हुआ जिसमें कहा गया कि कान खोलकर सुनो संदेश को, मत छूना मेरे अखिलेश को। वहीं दूसरा गाना स्वागत करिए पीडीए के नेता अखिलेश का, सुल्तान गाना भी ट्रेंड पर रहा। साथ ही लोगों ने अखिलेश के काफिले को लेकर भी ट्वीट कर करणी सेना पर तंज कसा। लोगों ने यह भी कहा- आ गए अखिलेश अब कहां हैं तुम्हारी सेना। एक कार्यकर्ता ने पोस्ट किया, जब मना किया गया था तब ये दृश्य है सोचिए इशारा कर दिए होते तो क्या होता? यही नहीं एक ने कार में बैठे वीडियो बनाई और कहा कि करणी सेना अब आ जाओ मैदान में, इस तरह के तमाम पोस्ट की झड़ी लगी रही।

अखिलेश ने कहा, जब हमने जांच कराई तो मामले में भाजपा के 17 नेता रासुका के तहत जेल गए। जहां भी इस तरह की घटना होती है, भाजपा के लोग ही लिप्त पाए जाते हैं। प्रदेश के मंत्री नंद गोपाल नंदी के बयानों को लेकर उन्होंने कहा, उनकी भाषा तो मेरे प्रति इतनी खराब है कि वह कितनी भी डुबकी (गंगा में) लगा लें, उनके पाप नहीं धुलने वाले। उन्होंने सबसे ज्यादा डुबकी लगाई होगी। तत्कालीन मेयर (अभिलाषा गुप्ता) हमारी पार्टी में शामिल होना चाहती थीं। मैंने ही मना किया था कि वह पार्टी में ना आएं। सांसद रामजीलाल सुमन ने राज्यसभा में राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दिया था। इसके बाद करणी सेना ने उनके खिलाफ आगरा में प्रदर्शन किया। रामजीलाल सुमन के आवास पर तोड़फोड़ भी हुई। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शनिवार को रामजीलाल सुमन से मिलने आगरा गए। वहां अखिलेश ने स्पष्ट रूप से कहा कि मैं अपने दलित सांसद रामजीलाल सुमन के साथ खड़ा हूं। इस पर मुझे गोली मारने की धमकी मिल रही है।

एनडीए सरकार में संगठित भ्रष्टाचार सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है : तेजस्वी

कहा- सरकारी खजाने को लूट रहे सत्ता में बैठे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में इंडिया गठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष व राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। राजद कार्यालय में उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग समझ चुके हैं कि वह फिर से सरकार में नहीं आएंगे और इसलिए वह सरकारी खजाने को लूट रहे हैं।

एनडीए सरकार में संगठित भ्रष्टाचार सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है। जनता घूसखोरी और दलाली से त्रस्त हो चुकी है। तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार के महिला संवाद अभियान पर भी सवाल उठा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता दल यूनाईटेड बिहार सरकार के पैसों से चुनाव प्रचार कर रही है। तेजस्वी ने दावा किया कि महिला संवाद के नाम पर राज्य में बड़ा भ्रष्टाचार हो रहा है। 225 करो? रुपये में प्रचार के लिए 600

सरकार बाहरी लोगों को टेंडर दे रही है

तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के खर्च के लिए कई टेंडर निकाले जा रहे हैं। यानी अब यह लोग चुनाव का खर्च भी जनता से ही निकाल रहे हैं। यहां के बिहार के ठेकेदारों को कोई टेंडर नहीं दिया जा रहा है। ग्लोबल टेंडर के जरिए इनसे पैसा वसूला जा रहा है। सरकार बाहरी लोगों को टेंडर दे रही है। वह ऐसा जल्दबाजी में कमीशन पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। यह अत्यंत ही गंभीर मुद्दा है।

चुनावी रथ मंगवाए गए हैं। ठेकेदार के जरिए मंत्री को 30 फीसदी कमीशन दिया जा रहा है।

कोई भी पार्टी दलितों का वास्तविक हित नहीं चाहती : मायावती

बसपा प्रमुख ने किया दलितों को आगाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा अध्यक्ष मायावती ने सपा के दलित प्रेम पर पलटवार किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि कांग्रेस, भाजपा आदि की तरह सपा भी बहुजनों, खासकर दलितों को इनका सांविधानिक हक देकर इनका वास्तविक हित नहीं चाहती है।

दलितों का कल्याण व उत्थान करना तो दूर, उनकी गरीबी, जातिवादी शोषण व अन्याय-अत्याचार आदि खत्म करने के प्रति कोई सहानुभूति या इच्छाशक्ति भी नहीं है। इसी वजह से दलित मुख्यधारा से कोसों दूर हैं। बसपा सुप्रीमो ने आगे कहा कि सपा द्वारा बसपा से विश्वासघात, उसके नेतृत्व पर 2 जून को जानलेवा हमला, प्रमोशन में आरक्षण का बिल संसद में फाड़ना, इनके संतों, गुरुओं व महापुरुषों के सम्मान में बनाए गए नये जिले, पार्क, शिक्षण व मेडिकल कालेजों का नाम बदलना आदि ऐसे घोर जातिवादी कृत्य हैं, जिसको माफ करना असंभव है।

भाजपा के लोग गठबंधन नही चाहते हैं : राउत

महाराष्ट्र: राज और उद्धव के बीच सुलह की अटकलों के बारे में प्रतिक्रिया मांगे जाने पर भड़के शिंदे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव और राज ठाकरे के बीच सुलह की अटकलों पर प्रतिक्रिया मांगे जाने पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नाराज हो गए और एक संवाददाता से कहा कि उन्हें इसके बजाय सरकार के काम के बारे में बात करनी चाहिए।<

शनिवार को जब शिंदे सतारा जिले में अपने पैतृक गांव दरे में थे, तो टीवी मराठी के एक संवाददाता ने उनसे शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे के बीच सुलह की अटकलों पर प्रतिक्रिया देने का अनुरोध किया। इसपर, शिंदे चिढ़ गए और उन्होंने संवाददाता की बात अनुसनी कर दी। शिवसेना नेता ने कहा, काम के बारे में बात करें। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने कहा कि यह तो जाहिर सी बात है कि शिंदे नाराज होंगे।

नहीं दिखाई दे रहा सीएम भजन का जनता से जुड़ाव : डोटासरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उदयपुर। राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने उदयपुर दौरे के दौरान राज्य की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर तीखा हमला बोला। डोटासरा ने कहा कि सीएम पर तकलीफ आने वाली है, इसलिए वो दिल्ली दौरे ज़्यादा कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता डोटासरा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री बिना किसी ठोस योजना के प्रदेश में यात्राएं कर रहे हैं, लेकिन जनता का जुड़ाव दिखाई नहीं दे रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कभी आभार यात्रा, कभी देव दर्शन और कभी दिल्ली की बैठकें कर रहे हैं। लेकिन असल सवाल तो यह है कि जनता को इसका क्या लाभ मिल रहा है? डोटासरा ने दावा किया कि आठ हजार करोड़ की इंदिरा गांधी नहर परियोजना को कांग्रेस सरकार ने पहले ही वित्तीय मंजूरी दे दी थी।

पीडीपी प्रमुख ने अपनाया आक्रामक रूख

बोलीं -मुगलों के वंशज हम में नहीं रजवाड़ों में मिलेंगे

» विस चुनाव में नुकसान के बाद भाजपा व नेंका पर और तीखे किए प्रहार

» भाजपा कब्रें खोदना बंद करें : महबूबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जबसे जम्मू-कश्मीर में विस चुनाव में पीडीपी को नुकसान हुआ है उसके बाद से उसकी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अपनी रणनीति आक्रामक कर दी है। वह जहां भाजपा पर हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ती वहीं राज्य की नेंका सरकार पर भी रहम नहीं करतीं हैं। वक्फ से लेकर दुलत की किताब तक को लेकर वह मुखर हैं। पीडीपी अध्यक्ष ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि कब्रें खोदना बंद करें। मुगलों के वंशज हम में नहीं रजवाड़ों में मिलेंगे। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि भाजपा ने देश को मुगलों की विरासत समझकर कब्रें खोदना शुरू कर दिया।

लालकिला, ताजमहल, कुतुबमीनार, फतेहपुर सीकरी को देखने लाखों लोग आते हैं। अगर आपको मुगलों के वारिस ढूंढने हैं, तो हम गरीबों में मत ढूंढो, वे आपको आपके दायें-बायें रजवाड़ों में मिलेंगे। क्योंकि, मुगल बादशाह थे। वह हम गरीबों से रिश्ता नहीं रखते थे। वह राजा-रजवाड़ों से रिश्ता जोड़ते थे।उनसे पूछताछ करो। आप वक्फ बिल ले आये। आप पसमांदा मुसलमानों की बात करते हैं। मध्य प्रदेश में 30 साल पुराना मदरसा, या उत्तर प्रदेश में 100 साल पुरानी मस्जिदें तोड़ रहे हैं। कब्रिस्तान में शवों को दफनाने तक के लिए मना किया जाता है।

हुर्रियत ने दरवाजे बंद नहीं किए होते तो कश्मीर की किस्मत कुछ और होती

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि 2016 में जब मैं अरुण जेटली और गृह मंत्री जैसे नेताओं को बातचीत के लिए मेज पर लाई तो हुर्रियत ने दरवाजे बंद कर दिए। वह बातचीत का समय था। अगर उन्होंने दरवाजे बंद नहीं किए होते तो आज कश्मीर की कहानी कुछ और होती। 2016 में युवा पत्थर या बंदूक लेकर सड़कों पर थे, लेकिन आज सरकार नागरिक स्वतंत्रता पर अत्याचार कर रही है। हुर्रियत ने 2016 में पत्थर और बंदूक के घोड़ों पर सवारी की, अब आप यूएपीए, पीएसए, एनआईए, पासपोर्ट रद्द करने और नौकरी से निकालने के घोड़ों पर सवार हैं। यह उत्पीड़न का ही एक और रूप है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर जताई चिंता

महबूबा ने कार्यकर्ताओं से कहा कि ममता बनर्जी, सिद्धरमैया और स्टालिन जैसे लोग आपके लिए खड़े हो रहे हैं। लेकिन मुर्शिदाबाद में जो हुआ गलत हुआ। इससे उन लोगों को मौके मिला जो मुसलमानों को बदनाम करने का मौका मिला। जो लोग सेकुलर हैं और हम मुसलमानों के लिए खड़े हैं, उनको कमजोर न करो। अगर जलसा करो, जुलूस निकालो तो कोशिश करो कि कहीं पत्थर न चले, कुछ और न हो।

नेकां ने दिल्ली के लिए कश्मीरियों को धोखा दिया

1947 से लेकर आज तक नेकां ने दिल्ली के लिए कश्मीरियों को धोखा दिया और कश्मीरियों के वोट पाने के लिए दिल्ली को धोखा दिया। यह इनका सिलसिला चलता है। विधानसभा में संशोधित वक्फ बिल के खिलाफ प्रस्ताव पास नहीं होने दिया। जब विधानसभा में संशोधित वक्फ बिल के खिलाफ प्रस्ताव लाना था तो आप प्रस्ताव वक्फ बिल लाने वाले को गाइड बनकर ट्यूलिप गार्डन की सैर करा रहे थे।

मुसलमान भारत में सुरक्षित

अपने संबोधन की शुरुआत महबूबा ने गाजा में फलस्तीनी लोगों की मौत से की। उन्होंने कहा कि दुनिया के कई मुल्कों में मुसलमान परेशान हैं, लेकिन भारत में सुरक्षित हैं। यहां का मुसलमान भले ही पंक्चर की दुकान चलाता है, लेकिन अपनी मेहनत और हुनर से रोजी-रोटी कमा रहा है। ये महात्मा गांधी का देश है, यह अबुल कलाम आजाद का देश है। मुल्क गोडसे की विरासत नहीं है। मुगलों की विरासत नहीं है। यह यहां के हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाइयों की विरासत है। जिन्होंने आजादी की लड़ाई लड़ी उनकी विरासत है। भगत सिंह, सुखदेव के साथ अशफाक उल्ला खां की भी विरासत है।

पासपोर्ट की साख और रुपयों की आह...

रुपये के बाद पासपोर्ट भी चला गिरावट की राह

» ब्लागर ने डाला वीडियो तो मचा हड़कंप

» वीडियो पर करीब 7 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं

» पासपोर्ट इंडेक्स में भारतीय पासपोर्ट लगातार गिरवाट दर्ज कर रहा है

» बोली पब्लिक नैतिकता में भी आयी गिरावट कहां रूकेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुद्दतों पासपोर्ट को सीने से लगाए बैठे थे,अब उसी की कतारों में खुद को पराये पाते हैं।
कभी डॉलर से आंखें मिलाने का हौसला था अपना, अब दर पे वीज़ा अफ़सर के, बेकसी जताते हैं।

भारतीय रूपयों के बाद पासपोर्ट इंडेक्स में भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग में भी गिरावट दर्ज की गयी है। एक ब्लागर ने अपने दर्द को वीडियो के जरिये शेयर किया तो हड़कंप मच गया। ब्लागर का वीडिया वायरल हुआ और तेजी से सवाल उठा कि विश्वगुरू के ख्याली पुलाव बना रहे हम लोग क्या वकाई में गिरवाट की राह पर चल पड़े हैं। क्योकि पिछले 10 वर्षों में रूपये की वैल्यू में 40 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गयी है। वर्ष 2014 में रूपया की वैल्यू 60 रूपये प्रति डॉलर हुआ करता थी। वहीं हैनली पासपोर्ट इंडेक्स की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग 83 स्थान पर थी जोकि फिसल कर 85वें पायदान पर पहुंच गयी है। सूचकांक यह बताता है कि किसी देश का नागरिक कितने देशों में बिना वीजा या ऑन-अराइवल वीजा के जा सकता है।

भले ही हम आर्थिक महाशक्ति हों

दुनिया भारत को एक आर्थिक शक्ति के रूप में तो देखती है लेकिन लोकतंत्र अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धार्मिक सहिष्णुता जैसे मामलों में पिछड़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि को नुकसान पहुँचा है। यही कारण है कि पासपोर्ट की रैंकिंग, निवेश का रुझान, और मुद्रा का स्थायित्व-इन तीनों क्षेत्रों में एकसाथ गिरावट देखी जा रही है।

बहुत बेइज्जती महसूस होती है

अपने वीडियो में ट्रैवल व्लॉगर ने बताया कि कई ऐसे देश हैं जो भारतीय पासपोर्ट पर वीजा ऑन अराइवल सुविधा को बंद करते जा रहे हैं। चीन जैसे देश भारतीय नागरिकों को महज 24 घंटे का वीजा-फ्री ट्रांजिट देते हैं जबकि अन्य देशों को 10 दिनों तक की छूट मिलती है। जॉर्डन ने भारतीय पासपोर्ट देखकर एंट्री देने से मना कर दिया और मिस्र जैसे देश अब इनविटेशन लेटर मांगने लगे हैं।व्लॉगर ने कहा कि मेरे पास सारे दस्तावेज होते हैं टिकट होती है पैसे भी होते हैं लेकिन जैसे ही पासपोर्ट की चेकिंग होती है तो मुझे ऊपर से लेकर नीचे तक देखा जाता है और कई बार घंटों तक इंतजार करवाया जाता है और कभी-कभी एंट्री से मना कर दिया जाता है।

कोई वैल्यू नहीं!

भारत के पासपोर्ट से भारतीय नागरिक मात्र 62 देश ऐसे देश हैं जहां वीजा-मुक्त या ऑन-अराइवल वीज़ा की सुविधा के साथ ट्रेवल कर सकता है। वहीं जापान, सिंगापुर, और फ्रांस जैसे देश 190+ देशों तक अपने नागरिकों को बिना वीज़ा यात्रा की सुविधा प्रदान करते हैं। यह आंकड़ा न सिर्फ वैश्विक रुतबे में भारत की स्थिति को दर्शाता है बल्कि यह भी बताता है कि भारतीय नागरिकों को विदेश यात्रा के लिए अभी भी अनेक प्रकार की जटिलताओं और अपमाननजनक प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ रहा है। हाल ही में एक ट्रैवल व्लॉगर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है और वीडियो में उसने भारतीय पासपोर्ट की वैल्यू बताई है। वायरल वीडियो में व्लॉगर अपने हाथ में भारतीय पासपोर्ट लिए दिखता है और वो भारतीय पासपोर्ट की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरती वैल्यू और इसके चलते होने वाली दिक्कतों को हाईलाइट करता है। वीडियो में व्लॉगर ने कहा ये जो चीज मेरे हाथ में है न इसकी कोई वैल्यू नहीं है। भले ही हम थाईलैंड मलेशिया नेपाल या श्रीलंका जैसे देशों में बिना वीजा या ऑन अराइवल वीजा के साथ जा सकते हैं लेकिन असली मुश्किल तब आती है जब हम किसी बड़े देश की तरफ जाते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मनरेगा की मजबूती से रूकेगा ग्रामीण पलायन

गांवों से अगर पलायन रोकना है तो लोगों को वहीं पर रोजगार उपलब्ध कराना होगा। लोगों को शहरों में जाने से रोकने में मनरेगा कारगर साबित हो सकता है। पर पिछले कुछ सालों से बजट में सरकार ने धनराशि की कटौती शुरू कर दी है जिससे गांवों बड़े स्तर पर रोजगार सृजन करने वाला कार्यक्रम धीमा पड़ गया है। सरकार को चाहिए कि मनरेगा को फिर से मजबूती प्रदान करें जिससे की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कुछ सुधार हो तथा लोगों को रोजगार अपने क्षेत्र में ही मिल सके। मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करता है, जिससे लोगों को आय प्राप्त होती है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है, यह योजना टिकाऊ संपत्तियां जैसे सड़क, नहर, तालाब, कुएं बनाने पर जोर देती है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में योगदान करती हैं। भारत आज भी गांवों का देश है, विकास की गंगा गांवों से होकर ही निकलती है। मनरेगा ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को बढ़ाता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां अन्य रोजगार के अवसर सीमित हैं, यह श्रम शक्ति के सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है।

यह योजना ग्रामीण महिलाओं को रोजगार प्रदान करती है, जिससे वे सशक्त हो पाती हैं और समाज में सक्रिय भूमिका निभा पाती हैं। यदि किसी व्यक्ति को मनरेगा के तहत 15 दिनों के भीतर काम नहीं मिलता है, तो उन्हें बेरोजगारी भत्ता दिया जाता है, जो एक सुरक्षा जाल के रूप में कार्य करता है। मनरेगा एक बहुआयामी योजना है, जिसके तहत विभिन्न उत्पादक परिसंपत्तियों का निर्माण किया जाता है, जैसे कि जल संरक्षण संरचनाएं, ग्रामीण सड़कें, और अन्य बुनियादी ढाँचे की परियोजनाएं, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती हैं। मनरेगा के तहत रोजगार एक कानूनी अधिकार है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को रोजगार का दावा करने का अधिकार है। इस कार्यक्रम से लाखों अकुशल श्रमिकों और महिलाओं को पूरे वर्ष में सौ दिन के रोजगार की गारंटी मिली। इससे बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए। यही वजह है कि इस कार्यक्रम में काम के दिन बढ़ाने की मांग अक्सर उठती रही है। अब संसद की स्थायी समिति ने भी मनरेगा पर भरोसा जताते हुए काम के दिनों की संख्या बढ़ा कर पांच महीने यानी डेढ़ सौ दिन करने और दैनिक पारिश्रमिक कम से कम चार सौ रुपए करने की सिफारिश की है, जो प्रासंगिक एवं बढ़ती महंगाई को देखते हुए जरूरी है। मजदूरी वर्तमान आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप हों और ग्रामीण श्रमिकों को सम्मानजनक पारिश्रमिक प्रदान करें। रोजगार योजना के लिए आबंटित राशि में लंबे समय से ठहराव पर समिति की चिंता इसी संदर्भ में है। कोई दो राय नहीं कि इसकी राशि बढ़ने से इसकी प्रभावशीलता बढ़ेगी। उम्मीद की जाए कि आने वाले समय में मनरेगा गांवों के विकास में बड़ा येगदान देगा।

“ मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करता है, जिससे लोगों को आय प्राप्त होती है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है, यह योजना टिकाऊ संपत्तियां जैसे सड़क, नहर, तालाब, कुएं बनाने पर जोर देती है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में योगदान करती हैं। भारत आज भी गांवों का देश है, विकास की गंगा गांवों से होकर ही निकलती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खाद्य और जल सुरक्षा को गंभीर चुनौती

ज्ञानेन्द्र रावत

ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना वैश्विक जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया यूं ही जारी रही तो इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। इससे दो अरब से अधिक लोगों को पानी और भोजन की भारी किल्लत झेलनी पड़ सकती है। ग्लेशियर पृथ्वी के जल चक्र को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, और इनके पिघलने से नदियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पर्वतीय क्षेत्रों में घटती बर्फबारी पूरी दुनिया की खाद्य और जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। दुनिया में मौजूद 2.75 लाख से अधिक ग्लेशियरों का सात लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीन वर्षों से नुकसान देखा गया है, जिनमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं।

कोलोराडो नदी का सूखना इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया के 70 फीसदी पेयजल का स्रोत ग्लेशियर ही हैं और इनके विलुप्त होने से जल संकट और भी विकराल हो सकता है। नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है। वर्ष 2000 से 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से हर साल करीब 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है, जो वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्षों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है। नासा के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट के अनुसार, अगली गर्मियों में और भी कम बर्फ बचने की आशंका है। इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों द्वारा तापमान में हुई वृद्धि है, विशेषकर जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है,

ग्लेशियर बनने की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पिघलते हैं, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। यह संकट केवल बर्फ के खत्म होने का नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का संकेत है। सरकारी रिपोर्टों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, हिमालयी

ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अलग-अलग दरों से तेज़ी से पिघल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है, बल्कि दक्षिण एशिया की लगभग 160 करोड़ आबादी के लिए जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। करीब 33,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ये ग्लेशियर ताजे पानी के विशाल भंडार हैं, जिन पर गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों की जलापूर्ति निर्भर करती है। इन्हें 'एशिया की जल मीनार' और 'दुनिया का तीसरा ध्रुव' कहा जाता है। बीते 40 वर्षों में 440 अरब टन बर्फ हिमालय से पिघल चुकी है, और केवल वर्ष 2010 में ही 20 अरब टन बर्फ का नुकसान हुआ। यह स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि यदि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो सदी के अंत तक एक-तिहाई और यदि यह वृद्धि 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचती है तो दो-तिहाई हिमालयी ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चेतावनी दी कि नेपाल के पहाड़ों से एक-तिहाई बर्फ पहले ही खत्म हो चुकी है। भारत और चीन जैसे प्रमुख कार्बन उत्सर्जकों के बीच बसे इस क्षेत्र में नेपाल के ग्लेशियर 65 फीसदी तक पिघल चुके हैं, और अगर यही हाल रहा तो हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के 75 फीसदी ग्लेशियर इस सदी के अंत तक नष्ट हो सकते हैं। ग्लेशियरों के इस संकट से यह स्पष्ट है कि अब समय शब्दों का नहीं, कार्यों का है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करना, वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करना और जल स्रोतों को संरक्षित करना मानवता की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहि।

आर्यभट्ट प्रेक्षण एवं विज्ञान शोध संस्थान नैनीताल एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्ययन से पता चला है कि हिमालय में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का बढ़ता उपयोग है, विशेषकर वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण। हिमालयी क्षेत्र अब शहरीकरण और जनसंख्या दबाव से जूझ रहा है। वहीं, ग्लोबल वार्मिंग से पिघलते ग्लेशियरों के कारण बन रही झीलें गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही हैं। इसरो के अनुसार, हिमालय की 2,432 ग्लेशियर झीलों में से 672 का आकार तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें भारत की 130 झीलें संभावित टूटने के कगार पर हैं। यह स्थिति आने वाली भीषण प्राकृतिक आपदाओं का संकेत है।

अधिक निवेश से गहन तकनीक को संबल

दिनेश सी. शर्मा

भारतीय स्टार्टअप्स (नव उद्यमों) के ध्यान के केंद्र को लेकर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा की गई टिप्पणी से शुरू हुई बहस नवाचार और रोजगार सृजन के इर्द-गिर्द घूमती रही। मंत्री जी चाहते हैं कि हमारे स्टार्टअप्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और ग्लोबल लॉजिस्टिक्स जैसे डीप टेक (गहन तकनीकी) क्षेत्रों में काम करें। जिस तरह सरकार स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना चाह रही है, दरअसल, विशाल आकार वाले हमारे उपभोक्ता बाजार से जितने अवसर बन सकते हैं, उसके मद्देनज़र यह अपेक्षा करना उचित भी है। हालांकि, जिस स्थिति का बखान मंत्री महोदय ने किया, उसके पीछे की वजहों पर जब तक हम ध्यान नहीं देंगे, तब तक स्टार्टअप्स के लिए उनकी इस उम्मीद पर खरा उतरना मुश्किल होगा।

अधिकांश भारतीय स्टार्टअप्स ने नई तकनीकों के अनुप्रयोग और अपनाने में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन बहुत कम स्टार्टअप्स नई तकनीक को विकसित करने, उसका व्यवसायीकरण करने या फिर भारतीय संस्थाओं द्वारा विकसित तकनीकों एवं खोजों को उद्यमशील उपक्रमों में फलीभूत करने का काम कर रहे हैं। प्रौद्योगिकी विकास को मौलिक अनुसंधान, विश्वविद्यालयों के साथ समन्वय और यथेष्ट जनशक्ति की आपूर्ति वाले पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता होती है। भारत ने तकनीकी सेवाओं में अच्छा प्रदर्शन किया है क्योंकि इस क्षेत्र के लिए सुयोग्य इंजीनियरिंग जनशक्ति पर्याप्त मात्रा में थी और इस व्यवसाय में मौलिक शोध की आवश्यकता नहीं पड़ती। देश ने शोध प्रणाली, शिक्षाविदों को साथ जोड़कर और प्रशिक्षित जनशक्ति के साथ जीवन विज्ञान क्षेत्र में ठीक-ठाक प्रदर्शन किया है। विदेशी कंपनियों के आउटसोर्स रिसर्च एंड डेवेलपमेंट केंद्रों में काम करने वाले भारतीय उनके लिए नए उत्पाद और बौद्धिक संपदा विकसित कर रहे हैं। वे ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि वहां उन्हें भरपूर निवेश का फायदा प्राप्त होता है और तमाम जरूरी उपकरण उपलब्ध हैं।

डीप टेक क्षेत्र अत्याधुनिक खोजों और उच्च-स्तरीय नवाचार द्वारा संचालित होते हैं, जो आगे चलकर बुनियादी शोध और विश्वविद्यालयों के उन्नयन में गहन और निरंतर निवेश के माध्यम से ही प्राप्त हो सकते हैं। जब देश अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1 प्रतिशत से भी कम अनुसंधान और विकास पर खर्च करेगा, तो स्टार्टअप्स से बिल्कुल नई चीज़ें बनाने की उम्मीद करना अवास्तविक होगा। उदाहरण के लिए, पिछले कुछ वर्षों से भारत में सुर्खियों में रहने वाले डीप टेक विषयों में एक है क्वांटम कंप्यूटिंग। सरकार ने 2031 तक 6,000 करोड़ रुपये (लगभग 735 मिलियन डॉलर) के वित्तपोषण के साथ राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (जिसमें मुख्य ध्यान का केंद्र क्वांटम कंप्यूटिंग पर है) बनाने की घोषणा की है। देखने में यह एक बड़ी राशि लग सकती है, लेकिन अन्य देशों की तुलना में यह कुछ भी नहीं है - चीन ने अपनी क्वांटम प्रौद्योगिकी पहल के वास्ते 15 बिलियन डॉलर का सार्वजनिक निवेश आरक्षित कर रखा है।

किसी भी क्षेत्र में शोध पत्रों का प्रकाशन मौलिक शोध का एक अन्य महत्वपूर्ण अवयव होता है। चीन का राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन क्वांटम कंप्यूटिंग अनुसंधान प्रकाशनों में अपने अमेरिकी समकक्षों से काफी आगे है। हालांकि जब बात पेटेंट की आती है तो आईबीएम, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के अलावा डी-वेव और क्वांटिनम जैसी विशेषज्ञ क्वांटम कंपनियों के पास क्वांटम कंप्यूटिंग से संबंधित पेटेंट बड़ी संख्या में हैं। ये क्वांटम सॉफ्टवेयर स्टैक के मूल स्रोत हैं, जिन पर अन्य कंपनियां निर्भर करती हैं। नतीजतन, इस क्षेत्र में हमारी निर्भरता भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कंपनियों पर बढ़ती जाएगी, क्योंकि ऊर्जा से लेकर चिकित्सा तक के क्षेत्रों में समस्याओं के समाधान के लिए डीप टेक का इस्तेमाल पहले से हो रहा है। एक उदाहरण है, नई बैटरी सामग्री की खोज के लिए एआई और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग (हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग) का संयोजन। हैरानी की बात है कि माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित एक एआई मॉडल का उपयोग करके, अमेरिकी ऊर्जा विभाग के पैसिफिक नॉर्थवेस्ट नेशनल लेबोरेटरी के वैज्ञानिक 32 मिलियन संभावित उम्मीदवार सामग्रियों की स्क्रीनिंग करने में सक्षम हुए। वे एक ऐसी नई सामग्री का पता लगा पाए हैं जिसमें लिथियम इलेक्ट्रोलाइट की जरूरत को लगभग 70 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। इस महत्वपूर्ण कार्य का नेतृत्व वैज्ञानिक विजय मुरुगेसन ने किया, जिन्होंने तमिलनाडु के भारथिअर विश्वविद्यालय से पीएचडी की है। यह एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे डीप टेक नवाचार और उद्योग एवं अनुसंधान संस्थानों के बीच साझेदारी से एक जटिल समस्या का समाधान निकल सकता है।

भारत में कई वर्षों से हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग मिशन और एक मजबूत सामग्री वाला विज्ञान समूह भी है, लेकिन हमें अभी तक ऐसा सहयोग और ऐसा परिणाम देखने को नहीं मिला है। अगर मंत्री महोदय ने 2023 में पीएसए विभाग द्वारा तैयार की गई राष्ट्रीय डीप टेक स्टार्टअप नीति के मसौदे को देखने की जहमत उठाई होती, तो हाल ही में स्टार्टअप इवेंट में जो सवाल उन्होंने पूछे, उनका जवाब खुद-ब-खुद मिल जाता। यह नीति, जो अभी तक भी सिर्फ कागज़ों पर ही है, इसमें 'बुनियादी अनुसंधान एवं विकास को नए सिरे से गति प्रदान करने के लिए अनुसंधान एवं विकास पर सकल व्यय में वृद्धि' का प्रस्ताव दिया गया है, जिससे कि उभरते डीप टेक स्टार्टअप्स के लिए आवश्यक विज्ञान आधार और प्रशिक्षित वैज्ञानिक मानव संसाधन रूपी महत्वपूर्ण बुनियाद को संबल मिल पाए।

अनार

रोज खाने से बन जाएगी सेहत

अनार को स्वर्ग का फल कहा जाता है, जिसका धार्मिक और सांस्कृतिक कारण है। अनार को सभी का पसंदीदा माना जाता है। अगर अनार को छीलने की मेहनत को अलग कर दिया जाए तो अनार के प्रत्येक चमकीले मोती जैसे दाने स्वाद विशिष्ट और पोषण रहित होता है। यह पोषक तत्वों से भरपूर फल, जिसे बेरी के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, अपने मीठे स्वाद के लिए जाना जाता है। इस फल में सैकड़ों खाद्य बीज होते हैं जिन्हें एरिल कहा जाता है और इसका उपयोग विभिन्न पाक अनुप्रयोगों में किया जाता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन के, पोटेशियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) को मजबूत बनाने के साथ-साथ हृदय और पाचन स्वास्थ्य को भी सुधारते हैं। अगर आप रोजाना एक अनार खाते हैं, तो यह आपकी सेहत पर चमत्कारी असर डाल सकता है।

पोषक तत्व

पोषण विश्लेषण के मुताबिक, एक कटोरी (144 ग्राम) अनार में 93 कैलोरी, 2.30 ग्राम प्रोटीन, 20.88 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 0.14 ग्राम वसा होती है।

खाने का तरीका

अनार को छीलकर सीधे खाएं। इसे सलाद, जूस या स्मूदी में मिलाकर खा सकते हैं। दही, ओट्स या फ्रूट बाउल में मिलाकर सेवन करना एक हेल्दी ऑप्शन है। अनार का रस निकालकर पीना भी सेहत के लिए फायदेमंद है।

त्वचा बनेगी ग्लोइंग

बेशक आपने अनार के फायदों के बारे में भी पहले काफी सुना होगा। अनार आपके खून को बढ़ाने और उसे साफ करने का काम करता है। अनार आपकी कमजोरी दूर करने का काम करता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को तेजी से रिपेयर करता है। इसके साथ ही अनार के सेवन से त्वचा पर भी फायदे होते है। त्वचा की कोशिकाओं को रिपेयर करके उसे चमकदार और जवां बनाए रखते हैं। इससे त्वचा हेल्दी और फ्रेश नजर आती है। इसके अलावा त्वचा में एक्सट्रा ऑयल चेहरे पर मुंहासे बनने की मुख्य वजह होता है। अनार का सेवन करने से आपकी त्वचा का ऑयल बैलेंस होता है। अनार का जूस पीने से भी त्वचा में खुजली की समस्या कम होती है। इसमें को खून को साफ करने के गुण होते हैं। इसकी वजह से त्वचा रोग मुक्त बनती है और पिंपल्स व मुंहासे नहीं बनते हैं।

पाचन करे दुरुस्त

अनार फाइबर का अच्छा स्रोत है। फाइबर युक्त आहार का सेवन करने से पाचन बेहतर होता है और मेटाबॉलिज्म भी तेज होता है। साथ ही यह आपकी आंत को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है, क्योंकि फाइबर आंत में प्रोबायोटिक्स को बढ़ावा देता है। यह आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है औरवजन प्रबंधन में भी मदद करता है। अनार का रस पीने से इर्रिटेबल बाउल डिजीज की समस्या में बहुत फायदा मिल सकता है। अनार के रस में पॉलीफेनोल यौगिक मौजूद होते हैं जो आंत में सूजन को कम करने में मदद करते हैं और आंत से संबंधित रोगों से छुटकारा प्रदान करने में मदद करते हैं। अनार के जूस का पीने से हार्ट बर्न या सीने में जलन की समस्या में बहुत फायदा मिल सकता है। आप अनार का सीधे तौर पर सेवन भी कर सकते हैं। अनार पेट में गैस बनने से रोकता है।

दिल को रखे फिट

अनार का सेवन कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखता है। इससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है और दिल की धड़कनें भी मजबूत रहती हैं। अनार के अंदर शक्तिशाली एंटी एथेरोजेनिक एजेंट होता है, जो कि नसों में गंदगी होने से रोकता है। इसके पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट नसों को साफ करने का काम करते हैं। इन सभी फायदों के लिए कम से कम 3 महीने तक हर दिन 3 अनार का सेवन करना चाहिए। एंटीऑक्सीडेंट मिलने के अलावा अनार का सेवन करने पर हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल कम होने लगता है। जिसका फायदा दिल को मिलता है और हार्ट डिजीज का खतरा कम हो जाता है। इसलिए अपनी डाइट में इस फूड को जरूर शामिल करें।

हंसना मना है

नवविवाहिता पत्नी ने पति से प्रेम जताते हुए कहा-'जब आपको ज्ञात है कि मुझे गैस तक जलानी नहीं आती तो आपने ये क्यों कहा कि मैं भोजन बहुत बढ़िया बनाती हूं। 'आखिर शादी करने की वजह तो बतानी ही थी।' पति बोला।

सैनिकों की पत्नियां खुद पतियों की बहादुरी का बखान कर रही थीं। एक बोली-'मेरे पति ने हाल ही के युद्ध में बहुत बहादुरी का परिचय दिया था, उन्होंने एक दुश्मन की टांग काट ली थी।' 'पर टांग क्यों? सिर क्यों नहीं?' दूसरी महिला ने पूछा। 'उसका सिर तो पहले से कटा हुआ था।' पत्नी ने बताया।

पत्नी ने तुनककर पति से कहा-'जब अक्ल बंट रही थी, तो उस वक्त तुम कहां थे?' 'प्रिये, उसी वक्त तो हमारे-तुम्हारे फेरे हो रहे थे।' पति ने तपाक से जवाब दिया।

टेलीफोन ऑपरेटर से एक सज्जन ने दिल्ली का नंबर मिलाने का अनुरोध किया। ऑपरेटर ने कहा-'वहां बात करने का शुल्क 100 रुपये है।' उन सज्जन ने स्पष्ट किया-'मुझे बात नहीं करनी है, सिर्फ सुननी है, क्योंकि मैं अपनी पत्नी को ट्रंक कॉल कर रहा हूं।'

'आपको समुद्र-यात्रा बहुत लाभ पहुंचाएगी' सिग्रता से प्रबन्ध कर लीजिए।' डॉक्टर ने मित्र से कहा। 'कोई लाभ नहीं डॉक्टर! मेरी पत्नी तैरना जानती है!'

कहानी | काम और कर्तव्य में अंतर

बहुत समय पहले की बात है एक राजा था। उसे राजा बने लगभग दस साल हो चुके थे। पहले कुछ साल तो उसे राज्य संभालने में कोई परेशानी नहीं आई। फिर एक बार अकाल पड़ा। उस साल लगान न के बराबर आया। राजा को यही चिंता लगी रहती कि खर्चा कैसे घटाया जाए ताकि काम चल सके और भविष्य में फिर अकाल न पड़ जाए। उसे पड़ोसी राजाओं का भी डर रहने लगा कि कहीं हमला न कर दें। एक बार उसने कुछ मंत्रियों को उसके खिलाफ षडयंत्र रचते भी पकड़ा था। राजा को चिंता के कारण नींद नहीं आती थी। भूख भी कम लगती। शाही मेज पर सैकड़ों पकवान परोसे जाते, लेकिन वह दो-तीन कौर से ज्यादा खा नहीं पाता। राजा अपने शाही बाग के माली को देखता था। जो बड़े स्वाद से प्याज व चटनी के साथ सात-आठ मोटी-मोटी रोटियां खा जाता था। जब राजा के राजगुरु ने ये सब देखा तो उन्होंने राजा से कहा कि अगर तुमको नौकरी ज्यादा अच्छी लगती है तो मेरे यहां नौकरी कर लो। मैं तो ठहरा साधू मैं आश्रम में ही रहूंगा, लेकिन इस राज्य को चलाने के लिए मुझे एक नौकर चाहिए। तुम पहले की तरह ही महल में रहोगे। गद्दी पर बैठोगे और शासन चलाओगे, यही तुम्हारी नौकरी होगी। राजा ने राजगुरु की बात मान ली और वह अपने काम को नौकरी की तरह करने लगा। फर्क कुछ नहीं था काम वही था, लेकिन अब वह जिम्मेदारियों और चिंता से लदा नहीं था। कुछ महीनों बाद उसके गुरु आए। उन्होंने राजा से पूछा कहो तुम्हारी भूख और नींद का क्या हाल है। राजा ने कहा कि मालिक अब खूब भूख लगती है और आराम से सोता हूं। गुरु ने राजा को समझाया कि देखो सबकुछ पहले जैसा ही है, लेकिन पहले तुमने जिस काम को बोझ की गठरी समझ रखा था। अब सिर्फ उसे अपना कर्तव्य समझ कर रहे हो। हमें ये जीवन कर्तव्यों को पूरा करने के लिए मिला है। किसी चीज को अपने ऊपर बोझ की तरह लादने के लिए नहीं मिला है। काम कोई भी हो, चिंता उसे और ज्यादा कठिन बना देती है। जो भी काम करें उसे अपना कर्तव्य समझकर ही करें। ये नहीं भूलना चाहिए कि हम न कुछ लेकर आए थे और न कुछ लेकर जाएंगे। इस बात का ध्यान आप भी रखेंगे तो हमेशा सुखी रहेंगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी।

वृषभ

अध्यात्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका हाथ आएगा। सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे।

मिथुन

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा।

कर्क

बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें।

सिंह

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

कन्या

पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा।

तुला

कारोबार से लाभ होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी।

वृश्चिक

फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

धनु

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। अज्ञात भय रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

मकर

योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

कुम्भ

राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

मीन

नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी।

सिनेमाघरों में फिर दस्तक देगी पीकू

दीपिका पादुकोण और अमिताभ बच्चन की सुपरहिट फिल्म 'पीकू' अपनी 10वीं सालगिरह पर फिर से सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। यह फिल्म 9 मई 2025 को दोबारा रिलीज होगी। दीपिका ने इसकी घोषणा अपने इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो के साथ की। इस मौके पर दीपिका ने दिवंगत अभिनेता इरफान खान को भी याद किया। दीपिका ने इंस्टाग्राम पर लिखा, पीकू मेरे दिल के सबसे करीब है। यह फिल्म 10 साल पूरे होने पर 9 मई 2025 को सिनेमाघरों में वापस आ रही है। इरफान, आपकी बहुत याद आती है। हम आपको अक्सर याद करते हैं। उनके इस पोस्ट ने फैंस के बीच उत्साह की लहर दौड़ा दी। इस वीडियो में अमिताभ बच्चन दर्शकों से 9 मई को सिनेमाघरों में 'पीकू' देखने की अपील करते दिखे। दीपिका की इस घोषणा ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। फैंस ने कमेंट्स की बौछार कर दी। एक फैन ने लिखा, पीकू मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है। इसे फिर से बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार नहीं कर सकता। दूसरे ने कहा, पीकू और राणा की जोड़ी फिर से देखने को मिलेगी, बहुत खुशी हो रही है। एक अन्य यूजर ने लिखा, यह फिल्म दिल को छू लेती है। इरफान की कमी खलेगी। 2015 में रिलीज हुई 'पीकू' एक ऐसी फिल्म है, जो हल्के-फुल्के अंदाज में परिवार, रिश्तों और जिंदगी की छोटी-छोटी बातों को खूबसूरती से पेश करती है। फिल्म में दीपिका ने पीकू का किरदार निभाया था जो अपने पिता (अमिताभ बच्चन) के साथ एक रोड ट्रिप पर निकलती है। इस सफर में उनके ड्राइवर राणा के रूप में इरफान खान की एंट्री होती है। तीनों किरदारों की शानदार केमिस्ट्री और फिल्म का मजेदार अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया था। दीपिका और इरफान की ऑन-स्क्रीन जोड़ी को फैंस ने खूब सराहा था।

दीपिका पादुकोण बोलीं- आपकी बहुत याद आती है इरफान

सलमान की सलाह ने डाला जीवन पर गहरा प्रभाव: जैस्मिन

बॉलीवुड | मसाला

रियलटी शो बिग बॉस से मशहूर होने वाली टीवी अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इस शो को अपने करियर के लिए एक अहम पड़ाव मानती हैं। इसी शो में जैस्मिन को उनका प्यार मिला था, जब अली गोनी ने उनके लिए अपने प्यार का सार्वजनिक इजहार किया था। अब अभिनेत्री ने इस शो के दौरान मिली एक ऐसी सलाह का जिक्र किया, जिसने उनकी जिंदगी पर गहरा प्रभाव डाला। ये सलाह उन्हें किसी और ने नहीं बल्कि शो के होस्ट और बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने दी थी। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत के दौरान जैस्मिन भसीन ने शो के दौरान के अपने खूबसूरत पलों को याद करते हुए सलमान खान द्वारा उन्हें दी गई एक सलाह का भी जिक्र किया। जिसने उनके जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे सलमान के कुछ शब्दों ने उन्हें भावनात्मक रूप से अधिक खुला और आत्मविश्वासी बनने में मदद की। उसका उनके जीवन पर काफी प्रभाव पड़ा। जैस्मिन ने बताया कि सलमान खान ने मुझसे कहा था, जैस्मिन, तुम जितना सोचती हो, जो महसूस करती हो, तुम उसे जाहिर नहीं करती हो। बोलोगी तो नहीं पछताओगी। अब मैं ज्यादा एक्सप्रेसिव हो गई हूं। जैस्मिन ने आगे कहा, सलमान खान ने एक एपिसोड के दौरान मुझे यह सलाह दी थी। मैंने इसे गंभीरता से लिया है और मेरा विश्वास करो, मैं बेहतर महसूस करती हूं। मैं पहले से ज्यादा एक्सप्रेसिव हो गई हूं। चाहे वह अच्छी बात हो या बुरी। पहले मैं सिर्फ अच्छा ही बोलती थी और अगर किसी को कुछ बुरा लगता था तो मैं नहीं बोलती थी। पर अब मैं अपने आप को ज्यादा एक्सप्रेस करती हूं और मैं उनकी इस सलाह के लिए बहुत आभारी हूं। बिग बॉस 14 के बाद जैस्मिन भसीन काफी लोकप्रिय हो गईं। वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहने लगीं। इसी शो के दौरान जैस्मिन भसीन और अली गोनी का अफेयर खुलकर सामने आया था। दोनों अभी भी रिश्ते में हैं और दोनों की शादी की खबरें अक्सर चर्चाओं में बनी रहती हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में नजर आएंगे रोनित

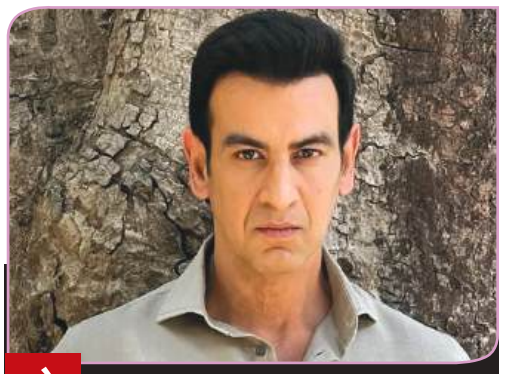

रोनित रॉय जल्द ही सीरियल 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' में राजा सोमेश्वर चौहान की भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। कुछ दिन पहले ही अपने इंस्टाग्राम पेज पर अभिनेता से इस सीरियल से जुड़ा एक प्रोमो साझा किया। इससे पहले साल 2001 में सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' में श्वेता तिवारी ने प्रेरणा नाम की लड़की का रोल किया था, रोनित रॉय भी इस सीरियल में नजर आए। रोनित ने मिस्टर बजाज का किरदार निभाया। मिस्टर बजाज, प्रेरणा से बेइंतहा मोहब्बत करता था। दर्शकों को भी रोनित का यह किरदार काफी पसंद आया। टीवी का सबसे चर्चित टीवी सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी(2000)' में भी रोनित रॉय ने मिहिर का किरदार निभाया। पहले इस किरदार को अमर उपाध्याय ने निभाया था। सीरियल में तुलसी (स्मृति ईरानी) नाम की महिला और उसके गुजराती ससुराल की कहानी थी। रोनित ने तुलसी के पति मिहिर का रोल इस टीवी सीरियल में किया। साल 2010 में रोनित रॉय ने एक कोर्टरूम ड्रामा सीरियल 'अदालत' किया। इसमें उन्होंने वकील के.डी पाठक का किरदार किया। सीरियल में रोनित के किरदार को दर्शकों ने काफी सराहा, यह सीरियल सास-बहू ड्रामा से बिल्कुल अलग था। साल 2009 में रोनित रॉय ने एक सीरियल 'बंदिनी' किया। इसमें अभिनेता ने धर्मराज शक्ति सिंह का किरदार निभाया, जिसकी शादी अपने से आधी उम्र की लड़की से हो जाती है। जिस जोड़े में एज गैप होता है, उनके बीच प्यार की कहानी कैसे बनती है? यही सीरियल की कहानी थी। सीरियल में हीरोइन का रोल आसिया काजी ने निभाया था। 2014 में सीरियल 'इतना करो ना मुझे प्यार' में रोनित रॉय और पल्लवी कुलकर्णी साथ नजर आए। इस सीरियल में नील और रागिनी की कहानी थी, जो किसी कारण से अलग हो गए, इनके बीच तलाक हो गया। सालों बाद ये मिलते हैं, तो इनके बीच फिर से एक प्रेम कहानी शुरू होती है।

अजब-गजब | ये है मरे हुए लोगों की धरती! लोग सहेजे रखते हैं शव

रिवलाते-पिलाने और कपड़े बदलते रहने का है रिवाज

दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहें हैं, जिनके बारे में हमें इतना नहीं पता होता है। धरती पर अलग-अलग देशों में ऐसे तमाम रीति-रिवाज़ हैं, जिन्हें समझ पाना ही कई बार काफी मुश्किल हो जाता है। एक ऐसा ही रिवाज इंडोनेशिया के एक खास द्वीप में मौजूद जनजाति के लोग निभाते हैं। आमतौर पर आप सोच भी नहीं सकते कि मृत लोगों के शरीर को दफनाने के बाद वापस निकाला जाए, लेकिन यहां ऐसा पारंपरिक तौर पर किया जाता है। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक इंडोनेशिया के सुलावेसी नाम के द्वीप में ये परंपरा चली आ रही है। यहां रहने वाले टोराजन लोग अपने परिवार के लोगों की मौत हो जाने के बाद भी उन्हें मृत नहीं मानते हैं। वे उनके शरीर को हफ्ते, महीनों और कई बार सालों तक ममी बनाकर रखते हैं। दिलचस्प बात ये है कि वे इन्हें किसी बीमार शख्स की तरह ट्रीट करते हैं।

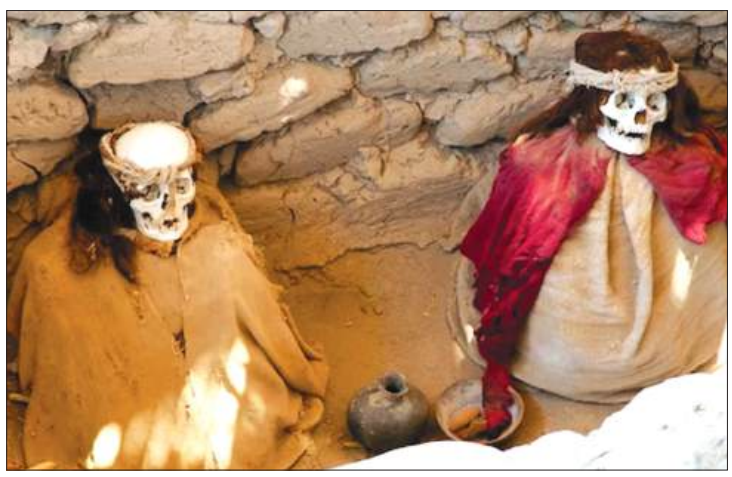

टोराजन लोग मृत लोगों को को बीमार और सो रहे इंसान की तरह मानते हैं। वे उन्हें वक्त पर खाना देते हैं, साफ-सुथरा कपड़े पहनाते हैं और उनका पूरा ध्यान रखते हैं। नेशनल जियोग्राफिक की रिपोर्ट के मुताबिक लोग मृत शरीर को लोग अपनी आर्थिक स्थिति के मुताबिक घर पर रखते हैं। गरीब लोग जहां जल्दी ही अंतिम संस्कार कर देते हैं, वहीं अमीर लोग इन्हें कई वर्षों तक घर में ममी बनाकर रखते हैं। इन्हें तोमाकुला यानि बीमार व्यक्ति माना जाता है। इन्हें आखिरी विदा देने का तरीका भी काफी अलग है। जिस तरह हिंदू धर्म में मृत्यु के देवता यमराज की सवारी भैंसे को माना जाता है, उसी तरह टोराजन लोग भी भैंस को दूसरे लोक का वाहन मानते हैं। यही वजह है कि इनके पूर्वज कहते थे कि अगर मरने वाले शख्स के पास भैंस नहीं थी तो वो जल्दी दूसरे लोक में नहीं जाता है। उनका मानना है कि मृत्यु के बाद आत्मा आसमान में पुया के तौर पर लौट जाती है। ये लोग अंतिम संस्कार के बाद भी पूर्वजों की टॉम्ब्स पर हर दूसरे साल जाते हैं। यहां से शव निकालते हैं, उन्हें साफ करते हैं और नए कपड़े पहनाकर वापस रख देते हैं।

गांव से भी छोटा है ये देश, रहते हैं सिर्फ 297 लोग, है अपना झंडा, मुद्रा और राजकुमारी भी!

दुनिया में ऐसी तमाम चीजें हैं, जिनके बारे में हमें पता ही नहीं है। हालांकि जब इनकी जानकारी हमें होती है, तो हम आश्चर्यचकित रह जाते हैं। ऐसे ही दुनिया के कुछ सबसे छोटे देशों की बात आएगी, तो सैन मैरिनो और वेटिकन सिटी जैसे देशों का नाम आता है। हालांकि हम आपको आज इससे इतर एक ऐसे देश के बारे में बताते हैं, जो सिर्फ 14 किलोमीटर में बसा है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक इस छोटे से देश का नाम सेबोर्गो है, जिसका क्षेत्रफल इतना है, जितने में एक गांव भी ठीक से नहीं बस पाएगा। हालांकि पिछले 1000 साल से इसे आज़ाद मुल्क का दर्जा मिला हुआ है। ये छोटा है, इसका ज़रा भी मतलब नहीं है कि यहां आने के लिए आपको पासपोर्ट की ज़रूरत नहीं होगी। इसकी बाकायदा सीमाएं तय हैं और पासपोर्ट लेने के बाद ही एंट्री मिलती है। इस मुल्क को 1000 साल पहले ही आज़ादी मिली थी और पोप ने इसके मालिक को प्रिंस घोषित किया था। साल 1719 में सेबोर्गा बिक गया लेकिन इसका माइक्रोनेशन का दर्जा कायम रहा। जब 1800 में इटली का एकीकरण हुआ तो लोग इसे गांव को भूल गए। 1960 में यहां के स्थानीय निवासी को जब पता चला कि सेबोर्गा की राजशाही औपचारिक तौर पर खत्म नहीं हुई है तो उसने खुद को प्रिंस जियोर्जियो 1 घोषित कर दिया। अगले 40 साल में उसने यहां का संविधान, मुद्रा, स्टैंप और नेशनल हॉलीडे भी बना डाला। 320 लोगों वाले इस देश में अगला राजा प्रिंस मार्सेलो बना। इस वक्त सेबोर्गा की राजकुमारी प्रिंसेस नीना हैं, जिन्हें साल 2019 में चुना गया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने राजकुमारी बनने के बारे में नहीं सोचा था। यहां की मुद्रा Seborga luigino है, जो 6 यानि 499 रुपये के बराबर है। यहां कुछ सैलानी घूमने भी आते हैं क्योंकि यहां पुराने खूबसूरत घर और रेस्टोरेंट हैं। लोगों को ये टाइम ट्रैवेल जैसा लगता है और वे इसे देखने के लिए आते हैं। इस गांव की जनसंख्या 297 है।

भाजपा का एकमात्र लक्ष्य कांग्रेस को डराना और धमकाना है : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष के बयान के बाद भाजपा व जदयू भी हमलावर

» बोले- नेशनल हेराल्ड मामले को इसलिए उठा रही बीजपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बक्सर, बिहार। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेताओं को फंसाकर उनकी पार्टी को डराने-धमकाने का प्रयास कर रही है। उनके इस बयान के बाद जदयू व भाजपा ने भी उन पलटवार किया है। वहीं वक्फ मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए खरगे ने आरोप लगाया कि अधिनियम में हालिया संशोधन लोगों को बांटने की भाजपा-आरएसएस की साजिश का हिस्सा है। खरगे ने कहा हम किसी से डरे हुए नहीं हैं और न ही किसी के सामने झुकेंगे। केंद्रीय जांच एजेंसियों के अधिकारियों ने मामले में तलाशी ली, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। हमारे नेता डरे हुए नहीं हैं।

इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसे हमारे नेताओं ने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। खरगे ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने ब्रिटिश शासन के दौरान नेशनल हेराल्ड और कौमी आवाज अखबार शुरू किए थे। उन्होंने आरोप लगाया, इन समाचार पत्रों को शुरू करने का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनता के बीच जागरूकता पैदा करना था ताकि ब्रिटिश शासन के खिलाफ लोगों की आवाज बुलंद की जा सके। दूसरी ओर, आरएसएस नेता अंग्रेजों के एजेंट थे और उनके लिए काम कर रहे थे। लेकिन अब सोनिया और राहुल को निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे पार्टी की रीढ़ हैं। सीबीआई, ईडी और आईटी जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने यह आरोप भी लगाया कि आरएसएस और भाजपा गरीबों, महिलाओं तथा समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के विरूद्ध हैं। उन्होंने दावा किया, आरएसएस -भाजपा समाज की बेहतरी के बारे में नहीं सोच सकते। वे जाति और धर्म के आधार पर समाज को बांटने में विश्वास करते हैं। संसद से पारित किया गया वक्फ बिल समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने की भाजपा और आरएसएस की साजिश है। केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, मोदी जी और अन्य भाजपा नेता केवल हिंदू-मुस्लिम की बात करते हैं एवं लोगों का ध्यान मुख्य मुद्दों से भटकाने की कोशिश करते हैं।

आरएसएस और भाजपा समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के विरुद्ध

राहुल का मिशन फेल तो सामने आए खरगे : जायसवाल

खरगे के प्रधानमंत्री और नीतीश कुमार के खिलाफ किये गये बयानबाजी पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सीधे कांग्रेस अध्यक्ष और राहुल गांधी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले राहुल बिहार आए थे। उस समय उन्होंने अपने मीडिया ब्वॉय कन्हैया कुमार को पलायन रोको यात्रा के लिए नियुक्त किया था। लेकिन, यह प्रयास सफल नहीं हुआ। फिर राहुल ने खरगे को भेजा, जो भूल गए कि वह बिहार में हैं। वह अभी भी दिल्ली के मुद्दों को यहां उठा रहे हैं। दिलीप ने खरगे को नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष को यह ध्यान रखना चाहिए कि हमने बिहार में सड़क और राजमार्गों के लिए घोषित 1.5 लाख करोड़ रुपये के पैकेज के तहत तीन लाख करोड़ रुपये जारी किए हैं।

संजय झा ने खरगे पर किया तंज

जदयू नेता और कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने मल्लिकार्जुन खरगे पर तंज कसा है। झा ने कहा कि संसद में पेश पिछले दो बजट को 'बिहार का बजट' बताने वाली कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कह रहे हैं कि एनडीए सरकार को बिहार के विकास से मतलब नहीं है! हद है। झा ने कहा कि आज पूरे बिहार में अच्छी सड़कें हैं, हर घर में बिजली और नल का जल है, हर जिले में अच्छे अस्पताल और प्रोफेशनल शिक्षा के संस्थान हैं, हर साल लाखों युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिल रहे हैं, विकास की गतिविधियों में महिलाओं की सर्वाधिक भागीदारी है, तेजी से नये उद्योग लग रहे हैं और पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है... लेकिन जिस कांग्रेस के पास बिहार के विकास का कोई विजन नहीं है, उसके नेता को यह सब कैसे दिखेगा। संजय झा ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि आदरणीय खरगे जी, आपको याद दिला दूं कि कांग्रेस ने दलितों और अतिपिछड़ों को पंचायत चुनाव में आरक्षण भी नहीं दिया था। वर्ष 2005 में नीतीश की सरकार बनी, उसके बाद बिहार में दलितों और अतिपिछड़ों को पंचायती राज संस्थाओं में आरक्षण दिया गया। हकीकत यह है कि जिस कांग्रेस ने आजादी के छह दशक तक बिहार की लगातार उपेक्षा करके इसे देश का सबसे पिछड़ा प्रदेश बनाने का पाप किया।

त्रिभाषा नीति, नीट के पीछे पूरा विचार किसी तरह तमिलनाडु में हिंदी थोपना है : उदयनिधि

» डिप्टी सीएम बोले - केंद्र द्वारा रची गयी साजिशों एवं खतरों को समझें छात्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई । तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्र में भाजपा नीत राजग सरकार द्वारा त्रिनीति, नीट और नयी शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के पीछे पूरा विचार किसी तरह तमिलनाडु में हिंदी को 'थोपना' है। विद्यार्थियों से केंद्र की 'साजिश' के प्रति सतर्क रहने की अपील करते हुए उदयनिधि ने केंद्र सरकार पर नीट और त्रिनीति के जरिए तमिलनाडु में शिक्षा प्रणाली के लिए खतरा पैदा करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, आपको शिक्षा के सिलसिले में केंद्र द्वारा रची गयी साजिशों एवं खतरों को समझना चाहिए। यदि आप

अपने रुख पर अडिग हैं तो हमारे दुश्मन हमसे नहीं जीत सकते। उपमुख्यमंत्री ने यहां नंदनम आर्ट्स कॉलेज में ऑडिटोरियम का उद्घाटन करने के बाद यह टिप्पणी की। उन्होंने याद दिलाया कि यह कॉलेज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 1986 में इस शैक्षणिक संस्थान के विद्यार्थियों ने राज्य में हिंदी 'थोपे जाने' पर विरोध प्रदर्शन किया था।

'5 लाख लाड़ली बहनों के नाम योजना से हटाए'

» जीतू पटवारी बोले- मोहन सरकार के पास विजन नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार कर्ज लेकर खर्च कर रही है। सरकार का कोई विजन नहीं है। बस आयोजनों पर अनाप-शनाप खर्च किया जा रहा है। आर्थिक तौर पर सरकार की सांसे फूलने लगी है। लाड़ली बहना योजना में 21 वर्ष पुरे कर चुकी युवतियों को जोड़ना चाहिए था, लेकिन पांच लाख लाड़ली बहनों के नाम काट दिए गए। यह आंकड़ा सरकार ने विधानसभा में रखा है। पटवारी ने कहा कि ईडी की चार्जशीट में सोनिया और राहुल गांधी का नाम खिले जाने पर कहा कि मोदी सरकार ईडी का उपयोग अपने लिए कर रही है।

जिन कंपनियों पर पहले ईडी ने शिकंजा कसा था, उसमें से ज्यादातर कंपनियों ने भाजपा के इलेक्टोरल बांड

लिए। ईडी की जांच वाले कई नेता भी भाजपा में जा चुके है। एजेंसियों को दुरुपयोग देश की जनता भी समझ चुकी है। मोदी सरकार के दूसरे देशों से रिश्ते खराब हो चुके है। आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है, लेकिन देश की जनता का ध्यान उन मुद्दों से हटाना चाहती है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने कहा कि ईडी की चार्जशीट सार्वजनिक नहीं की जा रही है। सरकार का इरादा साफ है कि किसी भी तरह कांग्रेस को बदनाम किया जाए। विपक्ष की आवाज लोकसभा और राज्यसभा में दबाई जाती है। राहुल ने भारत जोड़ों यात्रा के जरिए यह संदेश देशवासियों तक पहुंचाया कि डरो मत। मोदी सरकार फिर डराकर देश में राज करना चाहती है। सरकार नागरिकों के बीच अपनी विश्वासनीयता खो चुकी है, इसलिए असली मुद्दों के बजाए धार्मिक, जातिगत मुद्दे उठाए जाते है, लेकिन कांग्रेस हर हाल में संविधान को बचाएगी।

अधिकारी भी भाजपा के एजेंट बनकर काम कर रहे

पटवारी ने नेता प्रतिपक्ष हिंदू चौकसे को गिरफ्तार किए जाने के सवाल पर कहा कि अधिकारी भी भाजपा के एजेंट बनकर काम कर रहे है। चौकसे के भतीजे के सिर में भी गहरी चोट आई है, लेकिन उनकी शिकायत पर दूसरे पक्ष के खिलाफ केस दर्ज नहीं हुआ। चौकसे तो मौके पर भी नहीं थे, लेकिन उन्हें आरोपी बनाया गया। कांग्रेस इसकी लड़ाई सड़क पर लड़ेगी।

कोलकाता के बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

» आज केकेआर और गुजरात के मैच में बारिश की भी आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स आज ईडन गार्डन में गुजरात टाइटंस की मेजबानी करेगी। गत चैंपियन ने अब तक 3 मैच जीते, जबकि 4 हारे हैं। अजिंक्य रहाणे की अगुआई वाली टीम ने बल्लेबाजी विभाग में काफी संघर्ष किया है। वह पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में 112 रन का पीछा करने में विफल रही थी।

इस बीच, उसके गेंदबाजों ने सनसनीखेज प्रदर्शन किया है। वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती और सुनील नरेन शीर्ष पायदान पर हैं। केवल बल्लेबाजी पर ध्यान देने की जरूरत है। दूसरी ओर गुजरात टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन किया है। उसने 7 में से 5 मैच जीते हैं। इसकी बदौलत शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम अंक तालिका में शीर्ष पर है। उनके शीर्ष तीन बल्लेबाज शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर शानदार रहे हैं। गेंदबाजी में प्रसिद्ध कृष्णा लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि मोहम्मद सिराज और साई किशोर प्रभावशाली रहे हैं। वहीं भारतीय मौसम विभाग की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन में पहले हल्की बारिश या आंधी की संभावना है। ईडन गार्डन पर 180-190 के आसपास का कोई भी स्कोर अच्छा माना जा सकता है। पहले गेंदबाजी करना आदर्श फैसला होगा क्योंकि दूसरी पारी में ओस की भूमिका हो सकती है।

विकेट के लिहाज से मुंबई की दूसरी सबसे बड़ी जीत

मुंबई। सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा की शानदार साझेदारी की मदद से मुंबई इंडियंस ने सीएसके को नौ विकेट से हराया। यह आईपीएल में विकेट के लिहाज से मुंबई की दूसरी बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2008 में वानखेड़े में ही सीएसके को नौ विकेट से हराया था और अब 17 साल बाद मुंबई ने यह कारनामा दोहराया है। मुंबई की आईपीएल में सबसे बड़ी जीत भी सीएसके के खिलाफ रही है। मुंबई ने 2020 में सीएसके को 10 विकेट से हराया था। चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 176 रन बनाए थे, लेकिन रोहित और सूर्यकुमार ने दूसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की जिससे मुंबई ने 15.4 ओवर में एक विकेट पर 177 रन बनाकर मैच जीत लिया। मुंबई की यह आठ मैचों में चौथी जीत है और वह आठ अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर आ गई है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर सियासी बवाल

» माकपा ने टीएमसी और भाजपा पर लगाये हिंसा कराने के आरोप

» तृणमूल और भाजपा ज्वलंत मुद्दों से जनता का ध्यान भटका रही है : सलीम

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हाल में हुए सांप्रदायिक दंगों की न्यायिक जांच की मांग करते हुए आरोप लगाया कि टीएमसी) और विपक्षी दल भाजपा ने 2026 के विधानसभा चुनावों में फायदा उठाने के लिए मिलकर हिंसा की साजिश रची। दूसरी ओर, भाजपा ने आगाह किया है कि यदि चुनाव के बाद राज्य में पार्टी की सरकार बनी तो अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर चलाया जाएगा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने राज्य सरकार से हिंसा प्रभावित लोगों, विशेषकर महिलाओं की शिकायतों के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आयोग एक रिपोर्ट तैयार कर रहा है, जिसे शीघ्र ही केंद्र को सौंपा जाएगा और उसकी प्रतियां राज्य के शीर्ष अधिकारियों को भेजी जाएंगी।

माकपा ने की न्यायिक जांच की मांग

कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में माकपा के सहयोगी संगठनों की रैली से 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान का बिगुल फूंकते हुए पार्टी के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने आरोप लगाया कि तृणमूल और भाजपा बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे ज्वलंत मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए प्रतिस्पर्धी सांप्रदायिकता में लिप्त हैं। वरिष्ठ वामपंथी नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा और तृणमूल 2026 के चुनावों से पहले मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए एक-दूसरे की मदद कर रही हैं। सलीम ने कहा, हम सच्चाई सामने लाने के लिए मुर्शिदाबाद दंगों की न्यायिक जांच चाहते हैं। तृणमूल और भाजपा प्रतिस्पर्धी सांप्रदायिकता में लिप्त हैं, जो आम लोगों को प्रभावित करने वाले वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने की एक हताश चाल के अलावा और कुछ नहीं है। वहीं एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने राजभवन में राज्यपाल सी वी आनंद बोस से भी मुलाकात की और मुर्शिदाबाद तथा मालदा के अपने दौरे से उन्हें अवगत कराया। रहाटकर ने राज्य महिला आयोग से प्रभावित महिलाओं की यथाशीघ्र सहायता करने का आग्रह किया। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष लीना गंगोपाध्याय ने कहा कि आयोग दंगा प्रभावित लोगों के संपर्क में है, लेकिन इस समय उनसे मिलने नहीं गया है, क्योंकि हम घटनास्थल पर जाने से पहले हालात के थोड़ा शांत होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

भाजपा सत्ता में आई तो चलेगा बुलडोजर : शुभेंदु

राज्य विधानसभा मे विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व मेदिनीपुर जिले मे एक रैली मे मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद से हिंदुओ के पलायन को सुनिश्चित करने के प्रयासो के खिलाफ आगाह किया। तृणमूल पर कट्टरपंथी जेहादियो द्वारा ऐसे प्रयासो को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए, भाजपा नेता ने हिंदुओ से एकजुट रहने और यह सुनिश्चित करने के लिए वोट देने को कहा कि उनका अस्तित्व दांव पर न लगे और उनकी धार्मिक पहचान सुरक्षित रहे। उन्होने यह भी कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावो के बाद भाजपा सत्ता मे आती है, तो मुर्शिदाबाद मे हिंसा के पीछे जो भी लोग है, उन्हे उनके कर्मो की सजा दी जाएगी और उनके घरो को बुलडोजर से जमीदोज कर दिया जाएगा।

भाजपा और आरएसएस ने राज्य में किया दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार : ममता बनर्जी

सीएम ममता बनर्जी ने एक खुले पत्र मे आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस ने राज्य मे दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने लोगो से शांति बनाए रखने की अपील की। उन्होने हिंसा का जिक्र करते हुए कहा था कि ये ताकते (भाजपा एवं आरएसएस) उकसावे पर हुई एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पृष्ठभूमि का इस्तेमाल विभाजनकारी राजनीति करने के लिए कर रही है। उन्होने पत्र मे कहा था, पश्चिम बंगाल मे भाजपा और उसके सहयोगी अचानक बहुत आक्रमक हो गए है। इन सहयोगियो मे संघ भी शामिल है। मैने पहले संघ का नाम नही लिया था लेकिन अब मुझे उसका नाम लेने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इन सभी ने मिलकर राज्य मे दुष्प्रचार अभियान शुरू किया है। बनर्जी ने आरोप लगाया, उन्होने रामनवमी पर आग भड़काने की साजिश रची थी, लेकिन पश्चिम बंगाल ने रामनवमी का उत्सव सबसे शांतिपूर्ण रहा। इसके बाद उन्होने वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ आंदोलन से संबंधित कुछ मामलो का इस्तेमाल करने की कोशिश की।

राष्ट्रपति को परमादेश कैसे दें : जस्टिस गवई

» वक्फ संशोधन कानून व मुर्शिदाबाद हिंसा पर दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। जस्टिस भूषण रामाकृष्ण गवई ने सोमवार को कहा कि सुप्रीम कोर्ट पर कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण करने के आरोप लग रहे हैं और उनसे राष्ट्रपति के दखल का आदेश देने के लिए कहा जा रहा है। वक्फ संशोधन कानून के विरोध में बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर दाखिल याचिकाओं पर उन्होंने यह टिप्पणी की है। कोर्ट से इलाके में तत्काल पैरामिलिट्री फोर्स की तैनाती की मांग की गई है। एडवोकेट विष्णु शंकर जैन ने कहा, कि कल मामला सुनवाई के लिए लगा है।

मैं कुछ अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि इलाके में शांति सुनिश्चित करने के लिए कोर्ट केंद्र को फोर्स तैनात करने का आदेश दे, जस्टिस बी आर गवई ने उनसे कहा कि आप चाहते हैं कि वह इसे लागू करने के लिए राष्ट्रपति को परमादेश दें, उन्होंने कहा, आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को दखल का आदेश दें? हम पर पहले ही कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण का आरोप लग रहा है। जस्टिस गवई ने उन आरोपों का जिक्र किया है, जो तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पर लग रहे हैं।

पुरानी पहल को नए रूप में पेश कर रही भाजपा : भारद्वाज

» पानी के टैंकर पर जीपीएस लगाने को लेकर आप व भाजपा में तीखी बहस

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में पानी के टैंकर पर जीपीएस लगाने की योजना शुरू करने को लेकर आप और भाजपा के बीच तीखी नोकझोंक हुई। आप ने सरकार पर सुर्खियां बंटोरने के लिए पुरानी पहल को नए रूप में पेश करने का आरोप लगाया। आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने एक आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जीपीएस युक्त टैंकर शुरू करने का दावा करके दिल्लीवासियों को गुमराह कर रही है, यह सुविधा 2015 से मौजूद है।

उन्होंने 2015 की एक खबर का हवाला देते हुए कहा, जब मैं 2022 में डीजेबी का उपाध्यक्ष था, तब जीपीएस निगरानी प्रणाली पहले से ही लागू थी और काम कर रही थी। भारद्वाज ने मुख्यमंत्री गुप्ता पर पुराने टैंकर को नई पहल के रूप में पेश करने के लिए उनका रंग-रोगन करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि प्रशासन सुर्खियां बंटोरने वाली राजनीति में लिप्त है और प्रचार के लिए फिजूलखर्ची कर रहा है।

भारद्वाज महज प्रवक्ता के रूप में काम कर रहे हैं : सचदेवा

दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भारद्वाज के दावो को हास्यास्पद करार देते हुए सवाल किया कि यदि निगरानी प्रणाली पहले से ही लागू थी, तो पिछली सरकार टैंकर के माध्यम से पहुंचाए जाने वाले पानी की कालाबाजारी पर रोक क्यो नही लगा सकी। उन्होने कहा, भारद्वाज महज प्रवक्ता के रूप मे काम कर रहे है, और दिल्ली से जुड़े वास्तविक मुद्दे उठाने मे असमर्थ है।

गरीबों की मदद की बात आती है तो भाजपा के पास पैसा नहीं होता : मेयर

दिल्ली के मेयर महेश कुमार ने मांग की कि उत्तर-पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद में चार मंजिला इमारत ढहने की घटना में मारे गए और घायल हुए लोगों के परिवारों को भाजपा सरकार मुआवजा दे। उन्होंने वरिष्ठ मंत्रियों के घटनास्थल का दौरा करने के बावजूद अब तक कोई वित्तीय राहत की घोषणा नहीं करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार विभिन्न आयोजनों के लिए करोड़ों रुपये का बजट पारित करती है, लेकिन जब गरीबों की मदद की बात आती है तो उसके पास पैसा नहीं होता।

आप ने एमसीडी चुनाव से पीछे खींचे अपने कदम

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को घोषणा की कि आगामी नगर निगम (एमसीडी) वार्षिक मेयर चुनाव के लिए भाजपा ने सरदार राजा इकबाल सिंह को मेयर और जय भगवान यादव को उप मेयर पद का उम्मीदवार चुना है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब सौरभ भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी इस बार मेयर का चुनाव नहीं लड़ेगी। सचदेवा ने कहा कि सरदार राजा इकबाल सिंह पूर्व में उत्तरी दिल्ली नगर निगम के मेयर रह चुके हैं और वर्तमान में एमसीडी में विपक्ष के नेता हैं। दिल्ली के विकास और निगम की कार्यप्रणाली को मजबूत करने के लिए सही विकल्प हैं। वहीं, दो बार के पार्षद जय भगवान यादव को उप मेयर पद के लिए चुना गया है। सचदेवा ने विश्वास जताया कि दोनों नेता मिलकर दिल्ली की जनता की समस्याओं का समाधान करेंगे। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उनकी पार्टी इस बार मेयर चुनाव में हिस्सा नहीं लेगी। उन्होंने कहा, हमारा फोकस दिल्ली की जनता के लिए बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने पर है न कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा पर।

अखिलेश यादव की सुरक्षा पर उठे सवाल

» प्रयागराज में सपा प्रमुख की गाड़ी के करीब पहुंची भीड़

» सपा ने की नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मामले को संसद में उठाने की मांग

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अखिलेश यादव को एनएसजी सुरक्षा प्रदान करने की मांग एक बार फिर से जोर पकड़ती नजर आ रही है। प्रयागराज दौरे के दौरान अखिलेश यादव को जनता के भारी हुजूम के बीच अपनी ही गाड़ी तक पहुंचने में संघर्ष करना पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो सामने आने के बाद समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। इस संबंध में समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री आईपी सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से यह मांग की है कि वह संसद में यह मुद्दा उठाएं और गृह मंत्रालय से अखिलेश यादव को तत्काल ह्स्त सुरक्षा बहाल करने की मांग करें।

क्या भाजपा नेता को देखने के लिए इतनी भीड़ उमड़ती है : आईपी सिंह

आईपी सिंह ने आगे सवाल उठाया कि क्या भाजपा के किसी नेता को देखने के लिए इतनी भीड़ उमड़ती है? उन्होंने कहा कि यदि देश के सबसे बड़े नेताओं में से एक को अपनी ही गाड़ी तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़े, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है?

सपा प्रमुख को मिले एनएसजी सुरक्षा

इससे पहले भी समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद और सचिव अवलेश सिंह ने अखिलेश यादव को एनएसजी सुरक्षा देने की मांग की थी। अब इस मामले को राष्ट्रीय मंच पर लाने के लिए राहुल गांधी से संसद में आवाज उठाने की अपील की गई है।

बोकारो में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में नौ नक्सली ढेर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

रांची। बोकारो जिले में सोमवार को सीआरपीएफ के कोबरा कमांडो के साथ मुठभेड़ में नौ नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ जिले के लालपनिया इलाके के लुगु हिल्स में सुबह करीब 5.30 बजे हुई। 209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन के जवानों ने अभियान चलाया, जिसमें कम से कम नौ नक्सली मारे गए और एक इंसास राइफल और एक सेल्फ लोडिंग राइफल जब्त की गई।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में नक्सली तत्वों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन शुरू किया। उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों में से किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। कोबरा सीआरपीएफ की विशेष जंगल युद्ध इकाई है।

दुर्घटना में घायल महापौर से मिलने पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जाना हालचाल

» जनता की समस्या के लिए निकलती रहूंगी : महापौर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पारा में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान शनिवार को घायल हुईं लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल से रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने मुलाकात की। उन्होंने महापौर के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। ज्ञात हो कि 19 अप्रैल को पारा क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान महापौर का पैर मुड़ गया था, जिससे उनके बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया।

इस खबर के सामने आने के बाद न सिर्फ नगर निगम प्रशासन बल्कि आम नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में चिंता का माहौल था। राजनाथ सिंह उनके कैंप कार्यालय पर पहुंचे और उनका हालचाल लिया। उन्होंने कहा कि सुषमा जी एक मेहनती और सक्रिय जनप्रतिनिधि हैं। नगर की सेवा में उनका योगदान सराहनीय है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह जल्द स्वस्थ होकर पुन: अपने कार्य में जुटें।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।